संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -297 गुरूवार ,29 अगस्त 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

दैनिक घटती घटना कलम बंद

छत्तीसगढ़ सरकार 36 घंटे भी नहीं दिए

और उजाड़ दिया आशियाना

अब तो बताईये स्वास्थ्यमंत्री जी...क्या छापे ?

पर इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

कलम बंद का 58 वां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

» छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार क्या गैर संवेदनशील सरकार है...?

» सरकार को कमियां ना दिखाएं तो क्या दिखाएं...?

» क्या विष्णुदेव साय सरकार बेहतर चल रही है...सिर्फ यह बात आईएएस लॉबी को पता है...आम जनता को नहीं है जानकारी...?

» किसी का दिव्यांग प्रमाण-पत्र फर्जी वह करता है मंत्री के घर मनमर्जी, दिव्यांग मांग रहे अधिकार क्या उन्हे दोगे न्याय प्रदेश के कर्णधार?

» क्या फर्जी दिव्यांग और फर्जी डिग्री के आधार पर जो कर रहे नौकरी उन्हे होगी जेल...उन्हें मिल सकेगा संकल्प पत्र अनुसार दण्ड...?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण?

कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...

जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

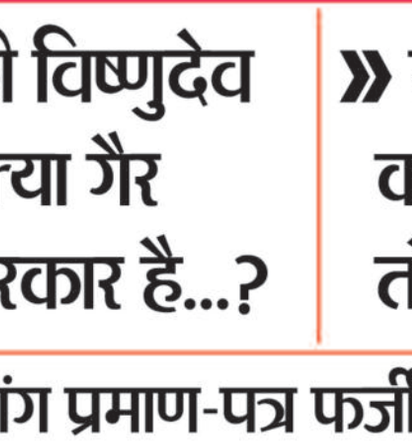

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री

श्री श्यामबिहारी जायसवाल

के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस

श्री मयंक श्रीवास्तव

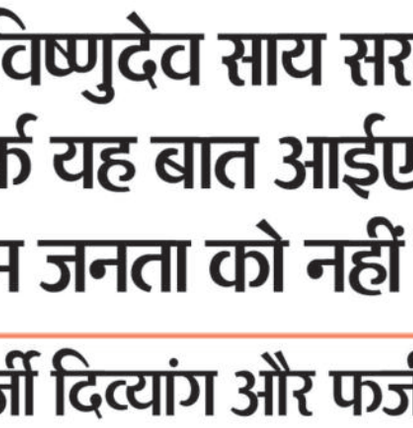

के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...प्रशासनिक अत्याचार झेलने के बावजूद है जारी ...

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री रेमन डेका से हस्तक्षेप की मांग...

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब?

स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ को दिया आश्वासन

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर काम करने वाले पर होगी कार्यवाही व अन्य मांग भी किए जाएंगे पूरे

पंजीयन क्र. 2249891 छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ

ग्राम बांधा, पोस्ट महली, थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम, (छ.ग.) पिन 491559

E-mail : cgdivyangsangh@gmail.com

प्रदेश अध्यक्ष - बोहित राम चंद्राकर मो. 9131166915 | प्रदेश सचिव - विद्या भूषण साहू मो. 8602207210

प्रदेश संरक्षक
रामलाल साहू

प्रदेश उपाध्यक्ष
राधाकृष्ण गोपाल
सरजू कोसले

कोषाध्यक्ष
अर्जुन राम

प्रदेश संयोजक
सतीश कुमार रजवाड़े

महिला संयोजक
बालमोती निषाद

सह-सचिव
नागेंद्र वर्मा

प्रदेश मिडिया प्रभारी
दिलहरण वर्मा

कार्यकारी सदस्य
रोहित बारमते
पियार सायं रजवाड़े
तिमेन्द्र कुमार
नलिन वर्मा
राहुल देवांगन
भागशाली पाटले
मन्नू विश्वकर्मा
हेमदास साहू

क्र./पत्र/117 दिनांक 27/8/24

प्रति,
माननीय श्री विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री छ.ग. शासन

विषय– दिव्यांगजन पैदल मार्च 2024 स्थगित करने के संबंध में।
संदर्भ– आपसे हुई चर्चा अनुसार।

——000——

उपरोक्त विषयानुसार लेख है कि आपसे हुई चर्चा अनुसार 6 बिंदु पर 1 माह के भीतर मांग पूर्ण करने के आंश्वासन पर विचार करते हुए मरीन ड्राइब से घडी चौक से मुख्यमंत्री निवास तक दिनांक 28.08.24 को आयोजित दिव्यांगजन पैदल मार्च 2024 स्थगित किया जाता है। मांग पूर्ण न होने के स्थिति मे 1 माह उपरांत दिव्यांगजन पैदल मार्च किया जावेगा।

प्रदेश अध्यक्ष
छ.ग. दिव्यांग सेवा संघ

» मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ को दिया आश्वासन,फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर काम करने वाले पर होगी कार्यवाही व अन्य मांग भी किए जाएंगे पूरे...

» जिन विभागों में फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले है कार्यरत वहां उनपर कार्यवाही करने संबंधित विभागों को नोटिस हुआ जारी...

» क्या सभी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर नौकरी करने वाले पर होगी कार्यवाही या फिर स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बच निकलेंगे?

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ का स्वाभिमान पैदल मार्च आंदोलन मुख्यमंत्री के आश्वासन पर हुआ स्थगित

-विशेष संवाददाता-
अम्बिकापुर/रायपुर,28 अगस्त 2024

(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ का दिनांक 28 अगस्त 2024 से जारी पैदल मार्च जो मुख्यमंत्री निवास तक जाना था जो फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वालों पर कार्यवाही की मांग के लिए होने वाला आंदोलन था,मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। यह स्थगन एक माह की अवधि के लिए किया गया है वहीं यदि एक माह के भीतर दिव्यांग सेवा संघ की सभी मांग पूरी नहीं हुई तो वह अपना आंदोलन पुनः आरंभ करने बाध्य होंगे यह उनका कहना है।

बता दें की दिव्यांग सेवा संघ लगातार शासन प्रशासन से यह मांग कर रहा है की फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे नौकरी करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर शासन प्रशासन कार्यवाही करे उन्हे नौकरी से बेदखल करे साथ ही उनपर कानूनी कार्यवाही करे क्योंकि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे नौकरी करने वाले लोग असल दिव्यांग लोगों का हक मार रहे हैं और वह कूटरचित दस्तावेज के सहारे फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे नौकरी हथियाकर एक तरह से अपराध कर रहे हैं जिनपर कार्यवाही आवश्यक है। दिव्यांग सेवा संघ फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के सहारे नौकरी करने वाले 21 लोगों का नाम भी उजागर कर रहा था लगातार जिसमे कई राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी हैं और एक तो स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी ही इसीलिए बने हुए हैं क्योंकि उन्हें अपनी फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर मिली नौकरी स्वास्थ्य मंत्री के साथ रहकर ही बचती नजर आ रही है क्योंकि जब कभी भी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र सहित स्वास्थ्य जांच होगी स्वास्थ्य विभाग का ही अहम किरदार होगा जिसके कारण वह स्वास्थ्य मंत्री को ही ढाल बना लिए हैं और वहीं डेरा बिस्तर लेकर ओएसडी बनकर डटे हैं। पूर्व की कांग्रेस सरकार में वह कुछ सुरक्षित इसलिए महसूस करते थे क्योंकि उनके एक भाई मुख्यमंत्री के ओएसडी थे यह भी बताया जा रहा है।

दिव्यांग सेवा संघ को मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया..वह कार्यवाही के लिए तैयार हैं.. ऐसे में यह तय नजर आ रहा है की 21 लोगों पर कार्यवाही होगी

अब जब दिव्यांग सेवा संघ को मुख्यमंत्री ने आश्वासन दे दिया है और वह कार्यवाही के लिए तैयार हैं ऐसे में यह तय नजर आ रहा है की अब 21 ऐसे लोगों पर कार्यवाही जरूर होगी जो दिव्यांग सेवा संघ के द्वारा नामजद दोषी बताए गए हैं जिनकी दिव्यांगता फर्जी है और इसी आधार पर उनकी नौकरी है। राज्य शासन के सचिव समाज कल्याण विभाग ने इस संदर्भ में सभी संबंधित विभागों को आदेश भी जारी कर दिया है और दिव्यांग सेवा संघ के मांग अनुरूप कार्यवाही किए जाने की बात कही गई है। स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण विभाग के अवर सचिव, संचालक संचालनालय समाज कल्याण, सचिव महिला एवं बाल विकास, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को इस आशय का पत्र भेजकर दिव्यांग सेवा संघ की मांग अनुरूप कार्यवाही नियमानुसार करने का आदेश किया गया है। अब देखना यह है कि क्या यह कार्यवाही संपन्न हो पाती है क्या इस कार्यवाही में अब ऊंची पहुंच स्वास्थ्य मंत्री का ओएसडी होना कोई बाधा उत्पन्न नहीं करता है।

दिव्यांग सेवा संघ की मांग पर शासन ने कार्यवाही शुरू भी की

दिव्यांग सेवा संघ की मांग पर शासन ने पहली कार्यवाही कर भी दी है ऐसा माना जा रहा है। यह कार्यवाही मुंगेली कलेक्टर ने की है जिसमे एक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पर निलंबन की कार्यवाही की गई है और कार्यवाही शासकीय सेवक रहते हुए भी कोचिंग संस्थान संचालित करने के मामले में किया भले गया है लेकिन माना जा रहा है की कार्यवाही फर्जी दिव्यंगता प्रमाण पत्र से जुड़ा हुआ है और जिस ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को निलंबित किया गया है जिसका नाम गुलाब सिंह राजपूत है वही फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र मामले का मास्टरमाइंड बताया जाता है। दिव्यांग सेवा संघ का ही आरोप है की गुलाब सिंह राजपूत ही फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र मामले का मास्टरमाइंड है जिसने लोगों को फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र दिलवाकर उन्हे नौकरी पाने में मदद की है।मुंगेली कलेक्टर ने 15 ऐसे लोगों शासकीय सेवकों को जिनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र को लेकर शिकायत है को शासकीय भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में जाकर दिव्यांगता जांच कराने का निर्देश जारी किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी को बचाने पूरा स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा मशक्कत

स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी संजय मरकाम की भी नौकरी जो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पद पर हुई है फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर ही हुई है यह दिव्यांग सेवा संघ का आरोप है। स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी इसको लेकर काफी सहमे भी रहते हैं वहीं इसीलिए वह स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी बने हुए हैं जिससे जब कभी जांच हो वह स्वास्थ्य मंत्री को ढाल बनाकर बच निकलने में सफल हो जाएं । अब बताया जा रहा है की पूरा स्वास्थ्य मंत्रालय एक फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी को बचाने में लगा हुआ है मशक्कत कर रहा है। अब देखना यह है की क्या स्वास्थ्य मंत्री ओएसडी को बचाने फर्जी उसकी दिव्यांगता को अपने प्रभाव से सही साबित कराते हैं या वह न्याय का साथ देकर ओएसडी को अपने जेल की हवा खिलवाते हैं।

जांच की आंच क्या स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी तक पहुंचेंगी?

जांच फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की अब दिव्यांग सेवा संघ की मांग पर होनी तय है। यह उन लोगों के प्रमाण-पत्रों की जांच होगी जो फर्जी दिव्यांग बनकर अच्छे पदों पर नौकरी कर रहे हैं वहीं उन्हीं में से एक हैं स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी संजय मरकाम जो हैं तो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी लेकिन वह फर्जी दिव्यांग बनकर यह नौकरी हथियाए हैं यह दिव्यांग सेवा संघ का ही आरोप है। अब क्या दिव्यांग सेवा संघ की मांग अनुसार स्वास्थ्य मंत्री के भी दिव्यांग प्रमाण-पत्र की क्या जांच होगी जिसमे वह फर्जी तौर पर श्रवण बाधित होने का लाभ ले रहे हैं।

-फाईल फोटो-

यदि स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी तक जांच की आंच पहुंची तो मान लीजिए की सभी फर्जी प्रमाण-पत्र पर नौकरी करने वाले होंगे बर्खास्त

यदि स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी संजय मरकाम के फर्जी दिव्यांगता की जांच हुई और वह बर्खास्त हुए तो यह तय हो जायेगा की शासन दिव्यांग सेवा संघ की मांग पर गंभीर है और वह न्याय के मार्ग पर है वहीं फिर यह भी तय हो जायेगा की इसी तरह की जांच जिले स्तर पर भी होगी और कई लोगों की नौकरी जायेगी क्योंकि फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वालों की संख्या कम नहीं है यह जिले में भी है बड़ी संख्या में हैं।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
लेख एवं विचार अभिव्यक्ति
अम्बिकापुर, बुधवार 28 अगस्त 2024
2

वास्तविक दिव्यांग अपनी मांगो को लेकर उतरे सड़को पर

फर्जी दिव्यांग सर्टिफिकेट से नौकरी का खुलासा

पेंशन की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों का प्रदर्शन

» दिव्यांगों का भला सोचने वाली सरकार...आखिर क्यों उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए कर रही है बेबस...?

» स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी का नाम भी है शामिल फर्जी दिव्यांग बनकर नौकरी करने वालों की सूची में...

» छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ वास्तविक दिव्यांगों को मिलने वाले लाभ के लिए लड़ रहा है लड़ाई...

» फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले वास्तविक दिव्यांगों के अधिकारों का कर रहे हनन...इतने बड़े मामले में सरकार क्यों चुप बैठी है?

फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र से नौकरी का खुलासा करने की मांग

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ

दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल मार्च

28 अगस्त 2024

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र मामले में सुर्खियों में है स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी...

दिव्यांग संघ का प्रदर्शन

कलम बंद...

कलम बंद...का 58 वां दिन

?

कलम बंद...का 58 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,28 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आप ही तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उस कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार के पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही तो...फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

बुलडोजर कार्यवाही करवाकर संतुष्ट हुए स्वास्थ्य मंत्री जी अब तो बताईए क्या छापें

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,28 अगस्त 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी ?

2

कलम बंद...का 58 वां दिन

कलम बंद...का 58 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,28 अगस्त 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब कि क्या छापें?

?

कलम बंद...का 58 वां दिन

कलम बंद...का 58 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत... » कमी दिखाओ तो दिक्कत... » जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,28 अगस्त 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

कलम बंद...का 58 वां दिन

?

कलम बंद...का 58 वां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन जय शाह

नई दिल्ली,28 अगस्त 2024। बीसीसीआई के सचिव जय शाह को निर्विरोध अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी का अध्यक्ष चुना गया है। जिसके बाद जय शाह सबसे कम उम्र के आईसीसी के चेयरमैन हैं। वहीं जय शाह की इस उपलब्धि को देखकर कोई भी हैरान नहीं है क्योंकि बीसीसीआई का सचिव रहते हुए उनकी कार्यशैली हर किसी ने देखी है।

जय शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत से होगी। उनकी अगुवाई में डब्ल्यूपीएल के लगातार दो सफल सत्र का आयोजन हुआ और इस दौरान महिला टी 20 क्रिकेट में ये लीग सबसे ज्यादा राशि के अनुबंध दे रही है। उनके पूर्ववर्तियों ने महिला क्रिकेट के इस पहलू को नजरअंदाज किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को समान मैच फीस देकर समानता सुनिश्चित करने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम था। एक और नीतिगत निर्णय टेस्ट क्रिकेट को प्रोत्साहन देना रहा। भारत इस साल 10 टेस्ट मैच का सत्र खेलेगा और अगर रोहित शर्मा और विराट कोहली सभी मैच खेलते हैं। उन्हें 6 करोड़ रुपये की मैच फीस मिलेगी। ये उनके ए प्लस के केंद्रीय रिटेनेशिप अनुबंध से मात्र एक करोड़ रुपये कम है।

टीम इंडिया के स्क्वॉयड का ऐलान

» 14 सितम्बर 2024 को खेला जाएगा भारत-पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

मेलबर्न,28 अगस्त 2024। भारत और पाकिस्तान के लिए बीच खेल की दुनिया में खेले जाने वाले मुकाबलों को लेकर फैंस के बीच अलग की उत्साह देखने को मिलता है। फिर चाहे वो कोई भी खेल क्यों न हो। क्रिकेट, हॉकी, स्क्वैश या फिर कोई भी अन्य खेल हो दोनों देशों के बीच फैंस को कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। इसी बीच एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। जिसके के लिए फैंस के बीच काफी उत्साह है। हाल ही में भारतीय हॉकी टीम ने काफी कमाल का प्रदर्शन किया है। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया की कप्तानी हरमनप्रीत सिंह के ही हाथों में ही है। वहीं गत चैंपियन भारत 8 से 17 सितंबर तक हुलुनबुइर में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन के साथ मुकाबला खेलेगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को मुकाबला खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया 8 सितंबर को चीन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद अगले दिन यानी कि 9 सितंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगी। एक दिन के आराम के बाद, भारत 11 सितंबर को मलेशिया से भिड़ेगा और अगले दिन यानी कि 12 सितंबर को कोरिया से खेलेगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल 16 सितंबर और फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

टीम में बड़ा बदलाव

उम्मीद के मुताबिक, पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद कृष्ण बहादुर पाठक को आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली 18 सदस्यीय भारतीय टीम में मुख्य गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया। श्रीजेश ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस में भारत द्वारा लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास की घोषणा की थी। पेरिस ओलंपिक और उससे पहले कई टूर्नामेंटों में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर होंगे। अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को हार्दिक सिंह की जगह उपकप्तान बनाया गया है, जिन्हें मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह के साथ आराम दिया गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का स्क्वॉयड

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा
डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जुगराज सिंह, संजय, सुमित
मिडफील्डर: राज कुमार पाल, नीलकंठ शर्मा, विवेक सागर प्रसाद (वीसी), मनप्रीत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन
फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह, गुरजोत सिंह।

संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई पर उठाए सवाल

» भारतीय क्रिकेट के तीन बड़े खिलाड़ियों को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली,28 अगस्त 2024। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी इस दिनों रेस्ट पर हैं या फिर कुछ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। टीम इंडिया का आगामी सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज है जिसकी शुरुआत 19 सितंबर से होगी। इसी बीच बीसीसीआई के निर्देश के अनुसार भारतीय टीम के खिलाड़ी इस ऑफ सीजन में भी घरेलू क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। जहां विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ियों को रेस्ट दिया गया है। अब इन तीनों दिग्गजों को रेस्ट दिए जाने पर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने अपना रिएक्शन सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बीसीसीआई पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

संजय मांजरेकर ने विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को घरेलू क्रिकेट से राहत दिए जाने पर कहा कि भारत ने पिछले 5 सालों में 249 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। रोहित ने उनमें से सिर्फ 59त्न मैच खेले हैं। विराट ने 61 और बुमराह ने 34 मैच खेले हैं। मैं उन्हें आराम दिए गए भारतीय खिलाड़ियों के रूप में देखता हूं। उन्हें दिलीप ट्रॉफी के लिए चुना जा सकता था। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा।

रोहन जेटली संभालेंगे जय शाह की गद्दी

नई दिल्ली,28 अगस्त 2024। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेक्रेट्री जय शाह अब बीसीसीआई के सदस्य नहीं रहे है। क्रिकेट कम्यूनिटी में उनका रुतबा और अधिक बढ़ गया है। जय साह निर्विरोध रूप से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंर्सि ल यानी आईसीसी के चेयरमैन बने है। महज 35 वर्ष की उम्र में आईसीसी चेयरमैन बनकर जय शाह ने नया रिकॉर्ड भी कायम कर दिया है। वो आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बनने वाले शख्स बन गए है।

वहीं जय शाह आईसीसी में अब अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में बीसीसीआई में उनकी जगह खाली हो गई है। बीसीसीआई में जय शाह की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी नाम तय हो गया है। इस पद की जिम्मेदारी दिवंगत और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली संभालेंगे। जय शाह इस वर्ष एक दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बार्कले के पद छोड़ने के बाद इस गद्दी को संभालेंगे। वहीं जय शाह बीसीसीआई सचिव पद पर 2019 से काबिज थे, जो अब उन्हें छोड़ना होगा। इस पद की जिम्मेदारी रोहन जेटली संभालेंगे।

बर्बादी की राह पर पाक क्रिकेट!

» बांग्लादेश से हार के बाद इमरान खान का पीसीबी पर निशाना

रावलपिंडी,28 अगस्त 2024। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व विजेता पूर्व कप्तान इमरान खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर जमकर निशाना साधा है। पाकिस्तान क्रिकेट इन दिनों कई संकटों से जूझ रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान को मिली हार के बाद पूर्व खिलाड़ी इमरान खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए उनकी आलोचना की है।

वर्तमान में भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में सजा काट रहे इमरान खान ने पीसीबी पर जमकर आरोप लगाए है। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को लेकर उन्होंने टिप्पणी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड के मौजूदा नेता देश में क्रिकेट को बर्बाद कर रहे हैं। बता दें कि वर्तमान में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी हैं।

पाक के पूर्व पीएम ने सोशल मीडिया पर कहा कि क्रिकेट एकमात्र ऐसा खेल है जिसे हर व्यक्ति टीवी पर देखना पसंद करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीसीबी इस खेल को बर्बाद करने में जुटा हुआ है। अपने निजी हितों को पूरा करने के लिए पीसीबी क्रिकेट को नष्ट करने पर तुला है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने कहा कि नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में हर स्तर पर अपने पसंद के लोगों को जगह दे रहे है। बोर्ड में काबिलियत के अनुसार किसी को शामिल नहीं किया जा रहा है। पार्टी की दुर्दशा हो गई है। उन्होंने कहा कि ये पहला मौका है जब हम टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में भी नहीं पहुंच सकते है। इसके बाद भी टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा और बांग्लादेश की टीम से 10 विकेट से टेस्ट मैच हारना पड़ा। यह पाकिस्तान क्रिकेट की नई शर्मिंदगी है, लेकिन ढाई साल पहले इसी पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से हराया था। ढाई साल में ऐसा क्या हुआ कि हम बांग्लादेश से 10 विकेट से हार गए? बोर्ड को इस आपदा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।÷

पाकिस्तान के बाबर आजम को नुकसान

» क्या है विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल की स्थिति

मेलबर्न,28 अगस्त 2024। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम बुधवार को जारी ताजा आईसीसी रैंकिंग में नीचे खिसक गए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के बाद आईसीसी ने टेस्ट रैंकिंग जारी की। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 6 स्थान के नुकसान के साथ 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। जबकि भारत के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल को फायदा हुआ है।

जहां इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट टॉप पर कायम हैं, जबकि हैरी ब्रूक ने श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में दमदार प्रदर्शन करके लंबी छलांग लगाई है। वहीं यशस्वी और विराट को फायदा पहुंचा है। यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का फायदा हुआ और वह सातवें पायदान पर हैं जबकि विराट कोहली दो स्थान के फायदे के साथ 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा पाकिस्तान के बाबर आजम बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले रैंकिंग में तीसरे नंबर थे। लेकिन खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें 6 स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 9वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक तीन स्थान के फायदे के साथ चौथे पायदान पर हैं। उनसे आगे जो रूट और केन विलियमसन और डेरिल मिचेल हैं। आईसीसी द्वारा जारी बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में टॉप 10 में भारत के तीन बल्लेबाज रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली हैं। बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहमान को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। रहीम ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 191 रनों की दमदार पारी खेली थी और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

आईसीसी रैंकिंग में टॉप-10 से बाहर था गुडाकेश मोती पर मारी ऐसी छलांग पहुंच गया सीधे नंबर-3 पर

मेलबर्न,28 अगस्त 2024। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की तरफ से 28 अगस्त को टी20 इंटरनेशनल में गेंदबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग को जारी कर दिया गया है, जिसमें टॉप-10 में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के बीच खत्म हुई टी20 सीरीज में विंडीज टीम के गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें आईसीसी रैंकिंग में भी उनका दबदबा देखने को मिला है। अब आईसीसी की तरफ से जारी लेटेस्ट रैंकिंग में गुडाकेश मोती ने सीधे 10 स्थानों की छलांग लगाने के साथ टॉप-10 में अपनी जगह बना ली है। वहीं इसके अलावा अकील हुसैन की भी रैंकिंग में सुधार देखने को मिला है।

मोती पहुंची सीधे तीसरे पर तो अकील दूसरे नंबर पर

आईसीसी की तरफ से जारी की गई लेटेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में गुडाकेश मोती ने 10 स्थानों की छलांग लगाने के साथ सीधे तीसरे नंबर पर कब्जा किया है। मोती के अब 674 रेटिंग प्वाइंट हैं। गुडाकेश मोती ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हुई तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था जिसमें वह हालांकि एक ही विकेट हासिल करने में कामयाब हो सके थे। वहीं मोती के अलावा वेस्टइंडीज टीम के एक और स्पिन गेंदबाज अकील हुसैन ने भी 4 स्थानों की छलांग लगाने के साथ सीधे दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। अकील ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में कुल 4 विकेट हासिल किए थे। वहीं उनके अब 680 रेटिंग प्वाइंट हो गए हैं।

एनरिक नॉर्खिया को हुआ नुकसान,भारत का कोई गेंदबाज टॉप-10 में नहीं

टी20 गेंदबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में बात की जाए तो उसमें एनरिक नॉर्खिया को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है जिसमें वह सीधे 4 स्थान नीचे छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। नॉर्खियां के अब 662 रेटिंग प्वाइंट हैं। वहीं टॉप-10 गेंदबाजों की इस लिस्ट में भारत का कोई भी बॉलर नहीं है। रवि बिश्नोई 11वें नंबर पर 635 रेटिंग प्वाइंट के साथ हैं जो इससे पहले 10वें नंबर पर थे।

टी 20 वर्ल्ड कप जिताने वाले डेविड ने किया रिटायरमेंट का ऐलान

लंदन,28 अगस्त 2024। इंग्लैंड टीम के 37 साल के ओपनिंग बल्लेबाज डेविड मलान जिन्होंने अपना पिछला इंटरनेशनल मुकाबला साल 2023 में भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में खेला था उन्होंने अब अपने संन्यास का ऐलान कर दिया है। मलान काफी लंबे समय तक आईसीसी टी 20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 की पोजीशन पर भी काबिज रहे थे। उनकी गिनती वर्ल्ड क्रिकेट के विस्फोटक ओपनिंग बल्लेबाजों में की जाती है जिसमें उन्हें इंग्लैंड की तरफ से तीनों ही फॉर्मेट में खेलने का मौका मिला है। साल 2022 में जब इंग्लैंड की टीम ने टी 20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने नाम किया था तो उस समय डेविड मलान भी टीम का हिस्सा थे और उन्होंने टीम की जीत में बल्ले से अहम भूमिका अदा की थी।

मुन्ना भैया बन भौकाल मचा रहा होता अमित

पर एक ना ने चमकाई दिव्येंदु शर्मा की किस्मत

अली फजल, पंकज त्रिपाठी स्टारर मिर्जापुर प्राइम वीडियो की सबसे सफल और चर्चित सीरीज में से एक है। जब से इस सीरीज का पहला सीजन आया था, तभी से इसके किरदारों की दर्शकों के बीच जबरदस्त फैन फॉलोइंग देखने को मिली थी। कालीन भैया, गुड्डू पंडित से लेकर मुन्ना भैया तक जैसे तमाम किरदारों को दर्शकों ने पसंद किया। सीरीज में मुन्ना भैया का किरदार दिव्येंदु शर्मा ने निभाया था। मिर्जापुर के पहले और दूसरे सीजन में दिव्येंदु शर्मा ने मुन्ना भैया के किरदार से भौकाल टाइट किया, मगर तीसरे सीजन में वह नजर नहीं आए, जिससे दर्शकों को उनकी खूब कमी खली। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि मुन्ना भैया के रोल के लिए दिव्येंदु शर्मा मेकर्स की पहली पसंद नहीं थे।

हिंदी फिल्मों के हीरो हैं बे हम,हमें कोई नहीं मार सकता। हम अमर हैं। जैसे डायलॉग के साथ लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले दिव्येंदु शर्मा मुन्ना भैया सिर्फ एक एक्टर की ना की वजह से बन पाए। मिर्जापुर के मुन्ना भैया के लिए मेकर्स की पहली पसंद कौन था और उन्होंने इस सीरीज को करने से इनकार क्यों किया

दरअसल, दिव्येंदु शर्मा से पहले मुन्ना भैया का रोल अमित सियाल को ऑफर किया गया था। अमित जामताड़ा में बृजेश भान के किरदार के लिए भी फेमस हैं। अमित सियाल ने हाल ही में फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में खुलासा किया कि पहले मुन्ना भैया का किरदार उन्हें ऑफर किया गया था। उन्होंने कहा था, मिर्जापुर में जो मुन्ना भैया का किरदार है, वो पहले मुझे ऑफर हुआ था। लेकिन ये साफ है कि मैं पंकज त्रिपाठी का बेटा तो नहीं लग सकता,इसलिए मैंने इस रोल के लिए मना कर दिया। मैं अनपे फैसले से बहुत खुश हूं कि मैंने वो किया जो मुझे लगता है कि मेरे लिए ठीक है। वो एक क्लासिक कैरेक्टर बन गया है। दिव्येंदु ने इस किरादर को बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाया है।

37 की उम्र में छाईं ये एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी हैं। दर्शकों को यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म काफी पसंद आ रही है। दो हफ्तों में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। श्रद्धा ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की है बल्कि इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के फॉलोअर्स भी बढ़ गए हैं। अब स्त्री 2 के बाद श्रद्धा की 5 और नई फिल्में धूम मचाने के लिए तैयार हैं।

जेल में सिगरेट पीते पकड़े गए थे एक्टर दर्शन

रेणुकास्वामी हत्या के मामले में बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद कन्नड़ फिल्मों के मशहूर अभिनेता दर्शन की हाल ही में जेल में सिगरेट पीते एक तस्वीर वायरल हुई थी। इस दौरान उनके साथ तीन अन्य लोग भी वहां सिगरेट का कश लगते दिखाई दिए थे, जिसके बाद खूब हंगामा हुआ। जेल के अंदर दर्शन को ङ्कढ्ढक्कट्रीटमेंट दिए जाने की घटना के बाद गृह मंत्री ने 2 जेलर सहित 7 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। इस बीच अब विवाद बढ़ने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने 26 एक्टर को तुरंत दूसरी जेल में शिफ्ट करने का आदेश दिया है। बेंगलुरु के रेणुकास्वामी हत्याकांड में जेल में बंद एक्टर दर्शन के जेल परिसर में खुलेआम सिगरेट के कश लगाते और चाय पीते हुए इस तस्वीरें के विवाद में आते ही कर्नाटक सरकार ने इस मामले में तगड़ा एक्शन लिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने एक्टर को तुरंत दूसरी जेल में शिफ्ट करने का आदेश दिया है। डीजीपी मालिनी कृष्णमूर्ति से कहा कि वे जेल विजिट कर इस केस की पूरी रिपोर्ट उन्हें सौंप देंगे। वहीं राज्य के गृह मंत्री जी.परमेश्वरा ने कहा था कि सस्पेंड किए गए 7 अधिकारियों को इस मामले में दोषी पाया गया था।

CMYK

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, गुरूवार 29 अगस्त 2024

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलम बंद अभियान का 58 वां दिन

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के 58 वें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी ?

क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

क्यूं न लिखें सच ?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस व आईएएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)